अखिल भारतीय जैन संपादक संघ का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जैन संपादक शरीर में रीड की हड्डी की तरह हैं : आर्यिका वर्द्धस्वनन्दिनी

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर। अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुवां जी, झाँसी में परम पूज्या आर्यिका 105 श्री वर्द्धस्वनन्दिनी ससंघ के पावन सान्निध्य में आ. भा. दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के उपाध्यक्ष, श्रेष्ठी श्री प्रदीप जैन पीएनसी, आगरा के मुख्य अतिथि में शपथ ग्रहण का कार्यक्रम विधि पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीयमंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य, श्री संदीप जैन उपशासन सचिव अल्पसंख्यक आयोग व वरिष्ठ पत्रकार श्री कैलाशचंद जैन झांसी की उपस्थिति रही। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शैलेन्द्र जैन एडवोकेट-अलीगढ़ ने अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। डॉ. सुरेन्द्र भारती-बुरहानपुर ने कार्याध्यक्ष, श्री अखिल बंसल जयपुर ने महामंत्री, श्री प्रदीप जैन-दिल्ली ने उपाध्यक्ष, श्री प्रवीण जैन-झांसी दै. विश्व परिवार ने संयुक्त मंत्री, डॉ. राजीव प्रचण्डिया-अलीगढ़ ने कोषाध्यक्ष, डॉ. सुनील संचय ललितपुर ने प्रचार मंत्री, श्री अकलेश जैन ने संगठन मंत्री तथा श्री नवनीत जैन मेरठ ने संयोजक का पद की शपथ ली। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. बी.एल. सेठी-जयपुर, श्री पंडित विनोद जैन रजवांस, श्री शरदचंद नांदणी, श्री जगदीश जैन-आगरा, श्री मनीष जैन शास्त्री, शाहगढ व श्रीमती मीना जैन उदयपुर ने शपथ ली। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों से आए संपादकों को संबोधित करते हुए पूज्य आर्यिका श्री वर्द्धस्वनन्दिनी माताजी ने कहा कि संपादक संघ की जिन शासन रूपी वृक्ष को संरक्षण, संवर्द्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। लेखक,संपादक और पत्रकार अपने लेखन में हित, मित, प्रिय वचनों का उपयोग करें ताकि मानव मानवता से जुडकर जगत के कल्याण के काम आ सके। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य जैन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने हो। जैन संपादक शरीर में रीड की हड्डी की तरह हैं। आप सभी जैन धर्म को उन्नति की ओर ले जाने का पुरुषार्थ करें। इस मानव जीवन में आये हो तो कुछ ऐसे नेक कार्य कर जाओ या ऐसा लिख जाओ, जिससे सभी हमेशा याद करें।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन पीएनसी आगरा ने जैन संपादक संघ के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि बुद्धिमत्ता परमात्मा की दी हुई अमूल्य धरोहर हैं। सरस्वती पुत्र इसका सही दिशा में हल निकाल सकते हैं। आज अनेक कमियां हमारी समाज में आई हैं, जिन पर संपादक संघ को गहन चिंतन करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग के सह सचिव श्री संदीप जैन ने कहा कि समाचारों और विचारों का बड़ा आधार हैं। अतः क्षणिक प्रचार या लाभ के लिए लेखन नहीं होना चाहिए, बल्कि धर्म और अध्यात्म के साथ सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति जागरूक बनना चाहिए। अल्पसंख्यक जैन समुदाय को मिलने वाली सुविधाओं को अर्जित करने का भी उन्होंने आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने संपादक संघ को जैन धर्म और साहित्य से जन-जन को परिचित कराने के साथ ही सरकार द्वारा मांस निर्यात को कृषि का दर्जा देने के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही।

प्रेस मान्यता समिति उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार श्री कैलाशचंद जैन, झाँसी ने कहा कि पत्रकारिता समाज में सबसे बहुत महत्वपूर्ण दायित्व हैं। उसके निर्वाहन के लिए हमें आत्मगौरव के साथ मर्यादित लेखन करना होगा।

नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन अलीगढ़ ने कहा कि संपादक संघ का उद्देश्य देशभर में जैन पत्र-पत्रिकाओं से जुड़े संपादकों और पत्रकारों को जोड़कर भारत वर्ष में भगवान महावीर के संदेशों को जन जन तक फैलाते हुए सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजना होगा। उन्होंने कहा कि संपादक संघ को किसी भी पंथवाद,संघवाद आदि से परे रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगा। कार्याध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र भारती बुराहानपुर ने कहा कि आज संगठित होकर खडे होनें की पहली आपश्यकता हैं। हम सकारात्मक चिंतन के साथ आगें बड़े पर डरें नहीं। संगठन को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य होना चाहिए। जहां जो परम्परा हैं वहां वही परंपरा चले। सुबह के सत्र का संचालन करते हुए महामंत्री अखिल बंसल जयपुर ने जैन पत्र संपादक संघ की संपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए संघ के उद्देश्यों को बताया। साथ ही बताया कि संघ की पत्रिका 'जैन संवाद' को जल्द ही नियमित रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

दोपहर सत्र का संचालन करते हुए प्रवीण जैन झाँसी ने कहा कि संपादक की एक गलती समाज में आग लगाने का कार्य करती हैं। शिथिलाचार पर गहन चिन्तन की जरूरत है परंतु इस पर हम सार्वजनिक रूप से न लिखें। इस अवसर पर श्री अनिल जैन जयपुर, श्री नवनीत जैन मेरठ, डॉ. राजीव प्रचण्डिया-अलीगढ़,

श्री सुमत जैन सासनी, डॉ. नरेन्द्र भारती सनावद, प्रोफेसर वी एल सेठी जयपुर, डॉ ज्योति जैन खतौली, राजेश रागी बक्सवाहा, पंडित विनोद जैन रजवांस, डॉ. सुनील संचय ललितपुर, डॉ.संजय जैन सागर, श्री अकलेश जैन अजमेर, श्री प्रदीप जैन दिल्ली, डॉ. माणकचंद उदयपुर, श्री मनीष शास्त्री शाहगढ़, श्री अनुराग जैन अजमेर, श्री अशोक जैन, श्री पुष्पेन्द्र जैन मड़ावरा, पंडित सुखदेव जैन सागर, मीना जैन उदयपुर, जगदीश जैन आगरा, श्री शरदचंद जैन, प्रकाश जैन शाहगढ़ आदि देश के विभिन्न अंचलों से पधारे पत्रकारों ने अपने अमूल्य सुझाव और विचार रखे। इस अवसर पर श्री प्रदीप जैन पी एन सी, श्री प्रदीप जैन आदित्य व श्री कैलाश चंदजी वरिष्ठ पत्रकार झांसी को संगठन का परम संरक्षक व श्री संदीप जैन दिल्ली,उप शासन सचिव अल्पसंख्यक शिक्षा आयोग को परामर्शमण्डल में सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया । शपथ ग्रहण से पूर्व संपादक संघ ने बरुआसागर में विराजमान परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य परम पू.मुनि श्री अभयसागरजी ससंघ व ललितपुर में विराजमान परम पू.आ.श्री ज्ञानसागरजी ससंघ से आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन को अपना मार्गदर्शन व उत्तरोतर प्रगति का आर्शीवाद प्रदान किया। प्रातः क्षेत्र पर विराजमान मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक-शांतिधारा-पूजन करने का लाभ भी उपस्थित जैन पत्रकारों ने लिया। उपस्थित जैन पत्रकारों का स्वागत दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष श्री प्रकाश जैन एडवोकेट, मंत्री श्री ऋषभ जैन, सुभाष जैन, डॉ. जिनेन्द्र जैन,रविन्द्र जैन रेल्वे, राजीव अहिंसा, विनोद ठेकेदार, राजकुमार बाबा, आलोक जैन, अमित प्रधान आदि ने किया। मंगलाचरण कुमारी शालू जैन और कुमारी ऐरा जैन ने अपने मधुर स्वर में किया।

सिद्धक्षेत्र पवाजी मंदिर कार्यकारिणी चुनाव संपन्न

तालबेहट (ललितपुर)। दि. 26 अप्रैल को बुंदेलखंड की पावन धरा पर स्थित उत्तर प्रदेश के एकमात्र श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में चुनाव अधिकारी श्री कैलाशचंद्र जैन 'विश्व परिवार' झांसी क्षेत्र संरक्षक एवं अजितकुमार जैन एडवोकेट ललितपुर पूर्व अध्यक्ष के दिशा निर्देशन में क्षेत्र प्रबंध समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन पुरा बबीना, मंत्री जयकुमार जैन कंधारीकलां, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद जैन नयाखेड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश जैन गुंदेरा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तमचंद जैन भड़रा बबीना, संयुक्त मंत्री विकास भंडारी कडेसराकलां, उपमंत्री आदेश जैन पवा, प्रचार मंत्री विनोद जैन बैरागी बबीना एवं आय व्यय निरीक्षक पंकज कुमार जैन कडेसराकलां, राजकुमार जैन चकरपुर बबीना निर्वाचित हुए। 11 कार्यकारिणी के सदस्यों का भी चुनाव किया गया। मतदान प्रक्रिया से संपन्न हुए चुनाव में शत प्रतिशत सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया। निर्वाचन प्रक्रिया को संपन्न कराने में प्रवीणकुमार जैन 'विश्व परिवार' झांसी, रिषभकुमार जैन झांसी, टी सी रवीन्द्रकुमार जैन झांसी, पार्षद प्रतिनिधि चक्रेश जैन तालबेहट एवं विशाल जैन पवा का सहयोग रहा। अंत में चुनाव अधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं विजयी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

डिण्डोरी में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

सुरेन्द्र जैन, डिण्डोरी। सकल जैन समाज डिण्डोरी द्वारा 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज को श्रीफल भेंट कर निवेदन किया तदुपरांत आचार्य श्री ने मंद मंद मुस्कुराहट के साथ पंचकल्याणक महोत्सव हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की। तदुपरांत समाज के लोगों द्वारा डिण्डोरी आकर जोर शोर से तैयारियां प्रारंभ की गई। दिनांक 12.03.18 को आचार्य श्री ने ससंघ डिण्डोरी नगर में प्रवेश किया उनके आगमन पर भव्य आगवानी की गई। जिसमें सभी वर्गों के लोगो ने बढ़चढ़ के भाग लिया एवं जयकारों के नारो से नगर गूंज उठा। पंचकल्याणक महोत्सव के प्रतिष्ठाचार ब्र. विनय भइया बंडा रहे। पात्रों के चयन में सौधर्म इन्द्र डॉ. सुनील जैन पंचरत्न, कुबेर इन्द्र सत्येन्द्र जैन (पप्पू) महायज्ञ नायक सुधीर जैन पंचरत्न, भरत इन्द्र सम्यक जैन पंचरत्न, बाहुबली इंद्र सार्थक जैन पंचरत्न, ब्रहोत्तर इन्द्र सुरेन्द्र जैन और राजा श्रेयांश रिशी प्रदीप जैन, स्वंप्रव इन्द्र रीतेश प्रदीप जैन विधि नायक श्री रिषभ जैन तथा भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य प्रवीण जैन एवं श्रीमती मीना जैन को प्राप्त हुआ। दिनांक 23.03.18 से 29.03.18 तक भव्य पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव साआनंद संपन्न हुआ। नवीन मंदिर में 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की बड़ी ही मनोहारी प्रतिमा विराजमान हुई। उक्त आयोजन में डिण्डोरी नगर में आयोजकों एवं समाज के द्वारा मुक्त हस्त से दान दिया गया। रात्रि में प्रतिदिन सांस्कृतिक एवं मनभावन कार्यक्रम आयोजित हुये और कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। अंत में कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत समाज अध्यक्ष एवं सौधर्म इन्द्र डॉ. सुनील जैन द्वारा आभार प्रकट किया गया।

कल्याण मुंबई में छत्तीसी विधान साआनंद संपन्न...

संजय जैन, कल्याण। कल्याण में आचार्यश्री विद्यासागरजी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अंतर्गत श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, ठाणगेवाड़ी, कल्याण (पश्चिम) में आचार्य छत्तीसी विधान बड़े ही धूमधाम और धार्मिक गरिमा व हर्ष उल्लहास के साथ संपन्न हुआ। सर्वप्रथम श्रीजी का अभिषेक और पूजा पंडित रमेशचंद्रजी भरिलजी और भिवंडी की संगीत पार्टी के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। संगीत पार्टी की धुनों ने भक्ति का अदभुत माहौल बना दिया। श्री सुनीलजी जैन और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रतिभा जैन ने गीतों की लय पर विधान की पूजा की उनका साथ अरुण जी जैन ने दिया। श्री संजय जैन ने भी अपनी गायन शैली में नई गीतों की लय पर गुरु विद्यासागरजी पर रचित गीतों को इस विधान में भजन गए। पंडित भरिल जी जब अपनी मधुर भाषा और संगीतमय शैली में विधान के अर्घ्य बोलते थे तो ऐसा लगता था जैसे, मानो हम साक्षात् गुरुवर के चरणों में अर्घ्य चढ़ा रहे हो। श्रीमती मृदुला शाह ने विधान के बाद आरती गाई।

यह विधान श्री संजय अर्चना जैन एवं श्रीमती शिरस जिनेन्द्र जैन और उनकी माताश्री बसंती जैन की ओर से किया गया। जिसमें सकल जैन समाज कल्याण ने पूरी धार्मिक भावनाओ के साथ विधान में शामिल हुए विधान के उपरांत वात्सल्य भोजन की व्यवस्था भी विधानकर्ता परिवार की तरफ से सकल जैन के लिए गई थी। अंत में संजय जैन और जिनेन्द्र जैन ने पंडितजी और संगीत पार्टी का स्वागत श्रीफल देकर किया और सकल जैन समाज का आभार व्यक्त किया।